प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यों के कारण उनके अध्यापन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
की
एम.एड् (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि
की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2006-2007

शोधकर्ता
सुरेन्द्र रामदासजी डुकरे

मार्गदर्शक
डॉ. एस.पी. मिश्रा
प्रवाचक, शिक्षा

सह–मार्गदर्शक
अंजुली सुहाने
प्रवक्ता, शिक्षा (तदर्थ)

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(रा. शै. अनु. और प्रशि. परिषद)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यों के कारण उनके अध्यापन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

D- 243

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
की
एम.एड् (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि
की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2006-2007

शोधकर्ता
सुरेन्द्र रामदासजी डुकरे

मार्गदर्शक
डॉ. एस.पी. मिश्रा
प्रवाचक, शिक्षा

सह-मार्गदर्शक
अंजुली सुहाने
प्रवक्ता, शिक्षा (तदर्थ)

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(रा. शै. अनु. और प्रशि. परिषद)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

सारे जीवन को अर्थ, अस्तित्व देने वाले,
सारे सवालों के जवाब देनेवाले ।
पहली साँस से आखरी साँस तक साथ देनेवाले।
पानी से निर्मल, फुलों से कोमल ।
ममता का सागर .....
ऐसे मेरे माता–पिता के चरणों में समर्पित .....

घोषणा-पत्र

मैं, सुरेन्द्र रामदासजी डुकरे, छात्र एम.एड (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करता हूँ कि ''प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यो के कारण उनके अध्यापन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन'' नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध 2006-07 में डॉ. एस.पी. मिश्रा, प्रवाचक तथा अंजुली सुहाने, प्रवक्ता (तदर्थ), शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

यह लघुशोध प्रबन्ध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्राथमिक शिक्षा) 2006-07 की उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिये गये आँकड़े एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

शोधकर्ता

Dukare
13/04/07

स्थान - भोपाल
दिनांक 13/04/07

सुरेन्द्र रामदासजी डुकरे
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल (म.प्र)

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, सुरेन्द्र रामदासजी डुकरे क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारम्भिक शिक्षा) के नियमित छात्र है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघुशोध, विषय प्रबंध ''प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यो के कारण उनके अध्यापन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन'' मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् 2006–2007 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

मार्गदर्शक

13.04.07

डॉ. एस.पी. मिश्रा
प्रवाचक, शिक्षा
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

स्थान– भोपाल
दिनांक :– 13-04-07

सह–मार्गदर्शक

13.4.07

अंजुली सुहाने
प्रवक्ता, शिक्षा (तदर्थ)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार-ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध ''प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यो के कारण उनके अध्यापन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन'' की, संपन्नता का सम्पूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक श्रद्धेय डॉ. एस.पी. मिश्रा सर, (प्रवाचक) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा अंजुली सुहाने (प्रवक्ता) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को है। जिन्होनें उचित निरंतर परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा अनवरत् प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध, आपके द्वारा शोध कार्य मे धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है, जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतएव मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं, आदरणीय प्राध्यापक डॉ. ए.बी. सक्सेना प्राचार्य क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल तथा डॉ. एस.ए. शफी, अधिष्ठाता तथा डॉ. जी.एन. प्रकाश श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग एवं आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे शोधकार्य की सम्पन्नता में मौलिक सहयोग प्रदान किया।

मैं, डॉ. एस.के.गुप्ता, डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण, डॉ. बी. रमेशबाबू, डॉ. के.के. खरे, प्रो. संजय पंडागले, डॉ. रत्नमाला आर्य, डॉ. सुनीति खरे एवं उन समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने समय-समय पर उचित मार्गदर्शन कर, मेरे इस शोधकार्य में सहयोग दिया है।

मैं, पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. पी. के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारीगणों का सहृदय से आभारी हूँ।

मैं प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का आभारी हूँ, जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन में अथक सहयोग प्रदान किया।

मैं अपनी माता आदरणीय/पूजनीय श्रीमती संघमित्रा डुकरे तथा पिताजी पूजनीय श्री रामदासजी डुकरे, कनिष्ठ भाई नरेन्द्र, हमारे दामाद श्री प्रशांतजी बन्सोड़, बहन जयश्री तथा परिवार के शुभचिंतकों का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु तन–मन–धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया।

मैं, मेरे करीबी मित्र तथा सहपाठी डॉ. वैभव कान्हे, संदीप निंभोरकर, दिनेश सोनवणे, प्रविण चव्हाण, हसमुख कथिरिया, दिनेश शर्मा, आलोक दुबे, डॉ. मनोज शर्मा, मयंक तिवारी, राजेन्द्र सुमन 'दद्दू', तथा सहपाटियों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से शोधकार्य के दौरान प्रदत्त संकलन तथा अन्य सहयोग के लिए आभारी हूँ।

अंत में मैं, शोधकार्य से सन्दर्भित विविध चरणों में शोधकार्य में, जिन्होंने किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान किया है। उन सभी का सच्चे मन तथा सहृदय से आभारी रहूँगा।

स्थान :– भोपाल
दिनांकः–

सुरेन्द्र रामदासजी डुकरे
एम.एड़. (छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ संख्या
घोषणा–पत्र		i
प्रमाण–पत्र		ii
आभार ज्ञापन		iii
अध्याय प्रथम – शोध परिचय		**1-15**
1.1	प्रस्तावना	1
1.2	शिक्षक की भूमिका	2
1.3	शिक्षक के विषय में शिक्षाविदों के विचार	3
1.4	विभिन्न शिक्षा आयोगों में शिक्षकों की स्थिति के बारे में विचार	5
1.5	राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005 के शिक्षकों के बारे में विचार	8
1.6	शिक्षकों की वर्तमान अवस्था	8
1.7	शिक्षकों की प्रशासनिक (गैर–शैक्षिक) कार्यो में प्रतिनियुक्ति	11
1.8	अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	12
1.9	पदों एवं संकल्पनाओं की परिभाषा	12
1.10	समस्या का कथन	14
1.11	शोध के चर	14
1.12	शोध के उद्देश्य	14
1.13	शोध की परिकल्पनाएं	15
1.14	शोध समस्या का सीमांकन	15
अध्याय द्वितीय– संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन		**16-19**
2.1	प्रस्तावना	16
2.2	साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ	16
2.3	शोध से संबंधित साहित्य	17

अध्याय तृतीय– शोध प्रक्रिया		**20-26**
3.1	प्रस्तावना	20
3.2	प्रतिदर्श	20
3.3	शोध में प्रयुक्त चर	22
3.4	उपकरण एवं तकनीक	23
3.5	प्रश्नावली	24
3.6	लघुशोध प्रबंध के प्रदत्तों का प्रशासन एवं संकलन	25
3.7	प्रदत्तों के संकलन में उत्पन्न कठिनाईयां	26
3.8	प्रदत्तों का सारणीयन	26
अध्याय चतुर्थ – प्रदत्तों का विश्लेषण परिणाम एवं व्याख्या		**27-48**
4.1	प्रस्तावना	27
4.2	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	27
4.3	परिणाम	46
अध्याय पंचम् – शोधसार, निष्कर्ष एवं सुझाव		**49-56**
5.1	प्रस्तावना	49
5.2	प्रस्तुत अध्ययन	50
5.3	संक्षेपिका	50
5.4	उद्देश्य	50
5.5	परिकल्पना	51
5.6	निष्कर्ष	51
5.7	सुझाव	54
5.8	भविष्य के लिए शोध सुझाव	55
संदर्भ ग्रंथ सूची		
परिशिष्ट		